

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका



अनुक्रमणिका

1. अनुसंधान की नई दिशाएं: निफ्ट गांधीनगर में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन 02
2. निफ्ट गांधीनगर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का विशेष आयोजन- बुनकर संवाद 05
3. निफ्ट गांधीनगर में 'बैच 2025' का भव्य स्वागत और उन्मुखीकरण कार्यक्रम 07
4. फैशन और डिज़ाइन की दुनिया के समाचार 12



अनुसंधान की नई दिशाएं

निफ्ट गांधीनगर में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर के परिसर में संकाय सदस्यों के अनुसंधान कौशल और अकादमिक ज्ञान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से हाल ही में विशेष ज्ञानवर्धक सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों में प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों ने आधुनिक अनुसंधान उपकरणों और राष्ट्रीय ई-संसाधनों के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।



चित्र 1.1 : अनुसंधान लेखन के लिए एआई उपकरण- मार्गदर्शन देते हुए डॉ. मितेशकुमार पंड्या

अनुसंधान लेखन में एआई उपकरणों की भूमिका

सत्र के पहले भाग में, नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (NFSU), गांधीनगर के उप पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. मितेश कुमार पंड्या ने 'अनुसंधान लेखन के लिए एआई उपकरण' विषय पर संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन किया।



डॉ. पंड्या ने पारंपरिक और विकसित साहित्य समीक्षा के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि आधुनिक समय में एआई आधारित उपकरण किस प्रकार शोधकर्ताओं का समय बचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे ये उन्नत उपकरण केवल कीवर्ड तक सीमित न रहकर, शोध में नए और अदृश्य संबंधों को उजागर करने में मदद करते हैं, जिससे शोध की गुणवत्ता और गहराई दोनों में वृद्धि होती है।



चित्र 1.2: 'ई-संसाधन पहुंच से खोज और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' विषय पर व्याख्यान देते हुए श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (लाइब्रेरी साइंस)

ई-संसाधन और 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' (ONOS) पहल

कार्यक्रम के दूसरे चरण में, इन्फ्लिबनेट (INFLIBNET) केंद्र, गांधीनगर के वैज्ञानिक-डी (लाइब्रेरी साइंस), श्री दिनेश रंजन प्रधान द्वारा 'ई-संसाधन पहुंच से खोज और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' विषय पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी गई।

श्री प्रधान ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' (ONOS) पहल के विजन को साझा किया, जिसका उद्देश्य सभी सरकारी संस्थानों को समान रूप से एक एकीकृत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र (Unified Research Ecosystem) प्रदान करना है। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के प्रमुख राष्ट्रीय डेटाबेस 'विद्वान नेटवर्क' के महत्व और उपयोगिता पर भी संकाय सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी।





चित्र 1.2: 'ई-संसाधन पहुंच से खोज और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' व्याख्यान की झलकियाँ

सफल आयोजन और निष्कर्ष

सत्र की शुरुआत में संस्थान की ओर से दोनों सम्मानित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। इन इंटरैक्टिव सत्रों में निफ्ट गांधीनगर के संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों के साथ अपने विचार साझा किए। यह आयोजन निफ्ट गांधीनगर के निरंतर अकादमिक विकास और अनुसंधान संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अत्यंत सार्थक कदम साबित हुआ।



निफ्ट गांधीनगर में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का विशेष आयोजन

"बुनकर संवाद"

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक कारीगरी को नमन करते हुए, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में निफ्ट गांधीनगर परिसर में "बुनकर संवाद" का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर ओडिशा के संबलपुर जिले के कुशल बुनकरों और ओडिशा सरकार के वस्त्र निदेशक कार्यालय (बरगढ़) के अधिकारियों के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने निफ्ट गांधीनगर का दौरा किया।



चित्र 2.1: निफ्ट संकाय ओडिशा सरकार के वस्त्र निदेशक कार्यालय (बरगढ़) के अधिकारियों के एक विशेष प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए

परिसर भ्रमण और तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान

प्रतिनिधिमंडल के इस दौरे की शुरुआत निफ्ट गांधीनगर के विभिन्न शैक्षणिक विभागों और प्रयोगशालाओं के भ्रमण से हुई। अतिथि बुनकरों ने संस्थान की अत्याधुनिक गारमेंट कंस्ट्रक्शन लैब (सिलाई कक्ष), टेक्सटाइल टेस्टिंग लैब और रिसोर्स सेंटर का अवलोकन किया।

तस्वीरों के अनुसार, निफ्ट के संकाय सदस्यों ने बुनकरों को आधुनिक टेक्सटाइल डिज़ाइन, रंगाई की नई तकनीकों और विभिन्न प्रकार के कपड़ों की संरचना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रिसोर्स सेंटर में बुनकरों ने नए डिज़ाइन पोर्टफोलियो और टेक्सटाइल से जुड़ी आधुनिक संदर्भ पुस्तकों को भी देखा। यह पारंपरिक बुनाई कौशल और आधुनिक फैशन तकनीक के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान का एक अनूठा अवसर था।



चित्र 2.2 : निफ्ट संकाय प्रतिनिधिमंडल को प्रयोगशालाओं से अवगत कराते हुए

बुनकर संवाद: परंपरा और आधुनिकता का संगम

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'सभागार' में आयोजित परिचर्चा सत्र रहा। इस सत्र में निफ्ट गांधीनगर के वरिष्ठ अधिकारियों और संकाय सदस्यों ने ओडिशा के संबलपुरी बुनकरों के साथ सीधा संवाद किया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य इस बात पर विचार करना था कि कैसे पारंपरिक हथकरघा डिज़ाइनों को समकालीन फैशन के अनुकूल बनाया जा सकता है, ताकि बुनकरों को वैश्विक बाज़ार में बेहतर पहचान और अवसर मिल सकें।



चित्र 2.3: बुनकर संवाद

निफ्ट गांधीनगर का यह 'बुनकर संवाद' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय हथकरघा उद्योग की जड़ों को मजबूत करने की एक सार्थक पहल थी। ओडिशा के बुनकरों की कला और निफ्ट की तकनीकी विशेषज्ञता का यह मिलन निश्चित रूप से भविष्य में डिज़ाइन और नवाचार के नए रास्ते खोलेगा।

नए कदम, नई उड़ान

निफ्ट गांधीनगर में 'बैच 2025' का भव्य स्वागत और उन्मुखीकरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), गांधीनगर के प्रांगण में एक बार फिर नई ऊर्जा और रचनात्मकता का संचार हुआ है। संस्थान ने 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक आयोजित होने वाले 'विद्यार्थी उन्मुखीकरण कार्यक्रम (Orientation Programme) 2025' के साथ नवप्रवेशित 'बैच 2025' का पूरे हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया।



चित्र 3.1: निफ्ट ऑडिटोरियम में विद्यार्थी उन्मुखीकरण कार्यक्रम 2025

यह तीन दिवसीय कार्यक्रम युवा और नवोदित प्रतिभाओं के लिए निफ्ट की एक परिवर्तनकारी डिज़ाइन यात्रा का पहला कदम है। इन प्रेरणादायक दिनों के दौरान, नए छात्रों को संस्थान की जीवंत संस्कृति, अकादमिक मूल्यों और उस रचनात्मक भावना से रूबरू कराया जा रहा है, जो निफ्ट को देश के सर्वश्रेष्ठ फैशन संस्थानों में से एक बनाती है।





चित्र 3.2: निफ्ट में विभिन्न उन्मुखीकरण सम्बंधित गतिविधियाँ

कार्यक्रम के दूसरे दिन, 31 जुलाई 2025 को संस्थान के ऑडिटोरियम में कई महत्वपूर्ण और ज्ञानवर्धक सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से बल्कि मानसिक और व्यावहारिक रूप से भी भविष्य के लिए तैयार करना था।



दिन की शुरुआत विषय विशेषज्ञों और निफ्ट काउंसलर के विशेष मार्गदर्शन सत्रों के साथ हुई, जहाँ छात्रों को तनाव-मुक्त और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने नए सफर की शुरुआत करने के गुर सिखाए गए। इसके पश्चात, छात्रों को संस्थान के महत्वपूर्ण अंगों जैसे सीएसी (CAC) और ज्ञान के प्रमुख स्रोत, रिसोर्स सेंटर (Resource Center) से विस्तार से परिचित कराया गया।

भविष्य की रूपरेखा और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता

छात्रों के सुनहरे भविष्य की नींव रखते हुए, दोपहर के सत्रों में निफ्ट के मजबूत इंडस्ट्री लिंकेज, प्लेसमेंट के अवसरों तथा अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू नेटवर्किंग पर विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। इसके अलावा, छात्रों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बैंक लोन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।



चित्र 3.3: संकाय सदस्य एवं छात्रों के बीच वार्ता

निफ्ट गांधीनगर अपने छात्रों को एक सुरक्षित और समतामूलक माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, दिन के अंतिम सत्र में 'लैंगिक समानता, कार्यस्थल पर सुरक्षा और एंटी-रेगिंग' जैसे अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की गई।



कैंपस टूर, विशेषज्ञों की वार्ता और इंटरैक्टिव गतिविधियों से सजा यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम नए छात्रों के मन में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें निफ्ट के विशाल परिवार का एक अभिन्न हिस्सा महसूस कराने में पूरी तरह सफल रहा। निफ्ट गांधीनगर परिवार 'बैच 2025' के उज्ज्वल और रचनात्मक भविष्य की कामना करता है!

भविष्य की रूपरेखा और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता

छात्रों के सुनहरे भविष्य की नींव रखते हुए, दोपहर के सत्रों में निफ्ट के मजबूत इंडस्ट्री लिंकेज, प्लेसमेंट के अवसरों तथा अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू नेटवर्किंग पर विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। इसके अलावा, छात्रों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बैंक लोन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई।



चित्र 3.3: संकाय सदस्य एवं छात्रों के बीच वार्ता

निफ्ट गांधीनगर अपने छात्रों को एक सुरक्षित और समतामूलक माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, दिन के अंतिम सत्र में 'लैंगिक समानता, कार्यस्थल पर सुरक्षा और एंटी-रेगिंग' जैसे अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा की गई।

कैंपस टूर, विशेषज्ञों की वार्ता और इंटरैक्टिव गतिविधियों से सजा यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम नए छात्रों के मन में आत्मविश्वास जगाने और उन्हें निफ्ट के विशाल परिवार का एक अभिन्न हिस्सा महसूस कराने में पूरी तरह सफल रहा। निफ्ट गांधीनगर परिवार 'बैच 2025' के उज्ज्वल और रचनात्मक भविष्य की कामना करता है!



फैशन और डिजाइन की दुनिया के समाचार

अंतरराष्ट्रीय समाचार

पेरिस हाउते कॉउचर वीक: जुलाई की शुरुआत पेरिस के सबसे भव्य फैशन शो से हुई:

- **शियापारेली:** डैनियल रोज़बेरी ने 'द फीनिक्स' थीम पर आधारित कलेक्शन पेश किया, जिसमें गोल्ड और शरीर के अंगों की बनावट वाले स्कल्प्टेड बस्टियर्स ने सबका ध्यान खींचा।
- **चैनल:** यह चैनल की इन-हाउस टीम का आखिरी कलेक्शन था। इसमें 'ट्वीड' को और अधिक मुलायम और लगभग बुने हुए लुक में पेश किया गया।
- **आइरिस वन हेरपेन:** 'सिम्बायोटिक' कलेक्शन के जरिए 3डी प्रिंटिंग और लेजर कटिंग का उपयोग करके ऐसे कपड़े दिखाए गए जो समुद्री जीवों की तरह हिलते हुए नजर आते थे।
- **रॉबर्ट वून:** हॉन्गकॉन्ग के इस डिजाइनर ने 'हॉरर' और 'ब्यूटी' का मिश्रण पेश किया, जो अपनी ड्रामाटिक स्टिचिंग के लिए चर्चा में रहा।

ग्लोबल डिजाइन ट्रेंड्स

- **फैशन दिवस (9 जुलाई):** दुनिया भर में 9 जुलाई को 'फैशन दिवस' मनाया गया, जिसमें 'फैशन का लोकतंत्रीकरण' और स्थानीय कलाकारों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।
- **इको-इनोवेशन:** डिजिटल टेक्सटाइल प्रिंटिंग (जैसे एप्सन की तकनीक) ने पानी की खपत में 97% की कमी लाने का दावा किया, जिसे ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब्स ने अपनाना शुरू किया।

भारतीय समाचार

हुंडई इंडिया कॉउचर वीक 2025: 23 से 30 जुलाई तक दिल्ली में भारत का सबसे प्रतिष्ठित 'इंडिया कॉउचर वीक' आयोजित हुआ, जिसके मुख्य झलकियां निम्न प्रकार से रहीं:

- **राहुल मिश्रा:** शो की शुरुआत 'बिकमिंग लव' कलेक्शन से हुई। तमन्ना भाटिया ने 3डी फूलों वाले लहंगे और स्कल्प्टेड गाउन पहनकर रैंप वॉक किया।
- **रोहित बल का कमबैक:** दिग्गज डिजाइनर रोहित बाल ने 'काश-गुल' कलेक्शन के साथ वापसी की, जिसमें कश्मीर की कला और गुलाब के फूलों के मोटिफ्स का खूबसूरत संगम था।
- **रिमजीम दादू:** उन्होंने 'ऑक्सीजन' कलेक्शन पेश किया, जहाँ स्टील वायर और मैटेलिक टेक्सटाइल का उपयोग करके भविष्यवादी साड़ियाँ और ड्रेसेस दिखाई गईं।
- **मनीष मल्होत्रा:** मनीष मल्होत्रा ने पारंपरिक रनवे के बजाय एक भव्य 'कौतूर सोइरी' (पार्टी थीम) का आयोजन किया।



राजभाषा अनुभाग
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार